# sunbury 

H. B. MASSER, EDITOR AND PROPRIETOR

OFFICE, MARKET STREET, OPPOSITE THE POST OFFICE


| NEW SERIES Vol. at no. 41. |  | sunbury, northumberland county. pa., saturday, jandary 3, isst. |  |  |  | Li) sthies vol. 12. N0. 15 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | ol whom 2.500 were women. Thewir eit |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| \%ivitumer |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | cape. Be assured that it was not the meri glad to bury me, if not in the cold grave of |  |  |  |  |  |
| James J. natmon, Attorney sand Connellor at Law, UNBURY, PA |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| few doons fron the Court Houre. Sunhury, Aug. 16, 1851 .-1y. |  |  |  |  |  |  |
|  | is trae I should have vanished out of the 1 have. Perhaps there never was a man |  |  |  |  |  |
| Cris |  |  |  |  |  |  |
| did | in the work who was so tond of tranguint |  |  |  |  |  |
|  | doing as much good as possible without beworld. Thus, longing for tranquility, it his |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { was ny destiny never th have a single mo- } \\ & \text { ment in my life to sece it fulfilled. But my } \\ & \text { guiding star was, and will be, "Duty;" nod } \\ & \text { the pleasare and delight of the thart must } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | listen to my farewell. This my farewell,cannot, will mot be cloquent. When in the midst of a busy dav, the watchfal cares |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | of life soon claim his attention and this cares The melodious thrill dies away, and on he must go, and on he goes, joyless, checrless, |  |  |  |  |  |
|  | must go, and on he goes, joyless, cheerless, and cold, every fitre of bis beart bent to the rarnest dutivs of the day. But when |  |  |  |  |  |
|  | the bard work of the day is done, and thestress of mind for a moment sulisides, then |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| ROD on true Phitosophtical princi- | the heart again claim its right, and the ten- der fingers of our memory gather up again |  |  |  |  |  |
| $1 \text { tim }$ |  |  |  |  |  |  |
|  | with so much joy, we cherish them as the |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  work which I hevel dif hat any |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | ny) every flower of consolation which the , |  |  |  |  |  |
|  |  | Treand toward the firs sx, may womewhat |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | ditheat frining whinh are the lodet. - |  |  |  |  |  |
|  | sy fruwelt to Nw York-Thisisa or- |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | it pes amy like any ecotrici flatht ow, |  |  |  |  |  |
|  | or tituriy: No, God forgive met thisim- |  |  |  |  |  |
|  | It were not good for man to know his des-tiny. The energy of his selse of duty |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| (5) | pair, but with hope. It is Eastern blood which runs in my veins ; and I come from |  |  | toil |  |  |
|  | the East. I have, accordingly, somewhat of Eastern fatalism in iny disposition, but itis the fatism of a Christian who trusts |  |  |  |  |  |
| and Cider, |  |  |  |  | assassin drew his dagger, prepared for mo-mentary use, but in so doing moved the |  |
|  | $\pm$ with unwavering thith in the boundisest | Iowed the stream of Rusian prpponder- |  | , |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | sufferings of Poland and of my poor native land, are the dreadful fruits of Catharine's <br> success on that day, cursed |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

